धम्मक धम्मक

धम्मक धम्मक आता हाथी
धम्मक धम्मक जाता हाथी

कितने केले खाता हाथी
यह तो नहीं बताता हाथी

जब पानी में जाता हाथी
भर भर सूँड नहाता हाथी

धम्मक धम्मक आता हाथी
धम्मक धम्मक जाता हाथी

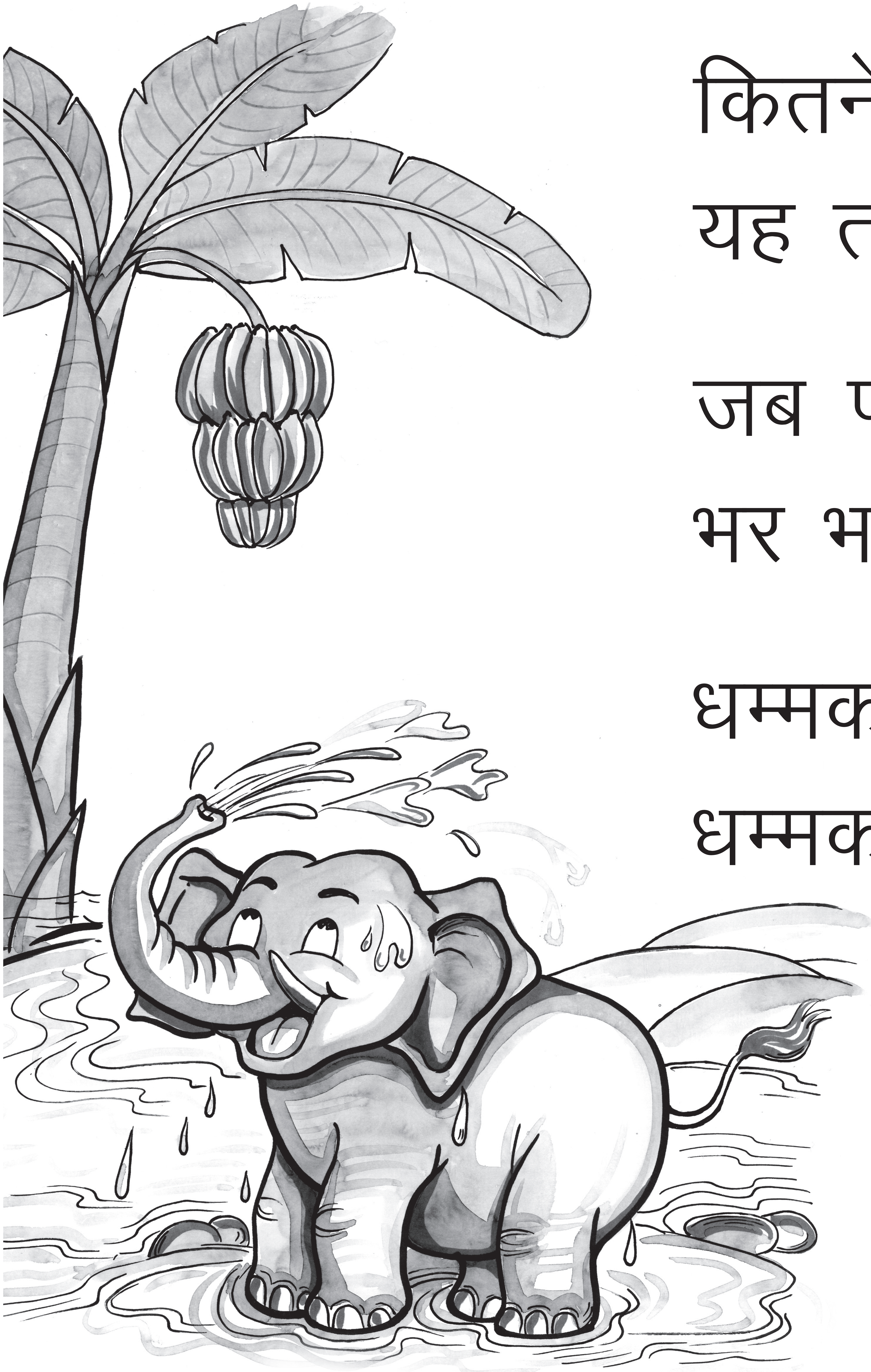

कविता: प्रयाग शुक्ल
चित्रांकन: सुबीनीता देशप्रभु

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

HSSPP

Designed by www.stelladesignandprint.com

पापा मेरे थानेदार

पापा मेरे थानेदार।
मूँछ उनकी शानदार।।

घर में आया पप्पू नाई।
हड़बड़ी में मूँछ उड़ाई।।

मूँछ बिना पापा का चेहरा।
लगता जैसे चाँद सुनहरा।।

चेहरा देख पापा कतराए।
कैसी शक्ल बनाई, हाए।।

झटपट लम्बी छड़ी उठाई।
अब नाई की शामत आई।।

कविताः प्रयाग शुक्ल
चित्रांकनः सुबीनीता देशप्रभु

LLF Language and Learning foundation
शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें
HSSPP

Designed by www.stelladesignandprint.com

कोयल

कोयल रानी, कोयल रानी
कहाँ मिली यह मीठी बानी?

किसी नदी ने दावत में क्या
तुझे पिलाया शक्कर पानी?

कविताः शंकुतला सिरोठिया
चित्रांकनः सुबीनीता देशप्रभु

LLF Language and Learning foundation
शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें
HSSPP
Designed by www.stelladesignandprint.com

मुर्गी माँ

मुर्गी माँ घर से निकली,
झोला ले बाज़ार चली।

बच्चे बोले चें चें चें,
अम्मा हम भी साथ चलें।

कविताः निरंकार देव सेवक
चित्रांकनः सुबीनीता देशप्रभु

Language and Learning foundation
शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें
HSSPP
Designed by www.stelladesignandprint.com

आलू का परांठा

देख परांठा आलू का,
मन ललचाया भालू का।

बोला हम भी खायेंगे,
कुछ घर पर ले जायेंगे।

कहे लोमड़ी ना ना ना,
ये घर पर ले जाना ना।

इतने सेक ना पाऊँगी,
खुद भूखी रह जाऊँगी।

कविताः देवेन्द्र कुमार देव
चित्रांकनः सुबीनीता देशप्रभु

LLF Language and Learning foundation
शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें
HSSPP
Designed by www.stelladesignandprint.com

मोटूराम हलवाई

मोटूराम हलवाई भई,
मोटूराम हलवाई।
खाते खूब मिठाई भई,
मोटूराम हलवाई।
मोटूराम को काम न दूजा,
दिनभर करते पेट की पूजा।
खाते खूब मिठाई,
भई मोटूराम हलवाई।
मोटूराम.....
मोटूराम के बेटे चार,
दर्ज़ी, धोबी और लुहार।
चौथा बेटा नाई,
भई मोटूराम हलवाई।
मोटूराम.....
मोटूराम की पैंट है नीली,
सर पर टोपी पीली–पीली।
भई मोटूराम हलवाई
मोटूराम.....

कविताः अज्ञात
चित्रांकनः सुबीनीता देशप्रभु

LLF Language and Learning foundation
शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें
HSSPP
Designed by www.stelladesignandprint.com

नानी कहे कहानी

चंदू की नानी
कहे कहानी,
एक था शरबत
एक था पानी
नानी पिए शरबत
चंदू पिए पानी,
रूठ गया चंदू
ख़त्म हुई कहानी।

साभारः बिल्ली बोले म्याऊँ (एकलव्य)
चित्रांकनः सुबीनीता देशप्रभु

Designed by www.stelladesignandprint.com

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

HSSPP

हाथी

हाथी राजा बहुत भले
सूँड हिलाते कहाँ चले?
मेरे घर आ जाओ ना,
हलवा पूरी खाओ ना।

मेरे दोस्त बन जाओ ना।
मेरे दोस्त बन जाओ ना।

साभारः बिल्ली बोले म्याऊँ (एकलव्य)
चित्रांकनः सुबीनीता देशप्रभु

नोटः शिक्षक 'झिलमिल' की कविता को चार्ट में लिखें और चित्र बनाएँ। उसे दीवार पर लगाकर बच्चों के साथ गाएँ।

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

HSSPP

Designed by www.stelladesignandprint.com

दो आलू

एक प्लेट में दो आलू
मोटू बोला मैं खा लूँ
खाते–खाते थक गया
रोटी लेकर भाग गया
रोटी गिर गई रेत में
मोटू रोया खेत में

साभारः एक दो दस (एकलव्य)
चित्रांकनः सुबीनीता देशप्रभु

Designed by www.stelladesignandprint.com

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

HSSPP

पतंग

सर–सर–सर–सर उड़ी पतंग,
फर–फर–फर–फर उड़ी पतंग।
इसको काटा, उसको काटा,
खूब लगाया, सैर सपाटा,
अब लड़ने में जुटी पतंग।
अरे कट गई, लुटी पतंग!!

साभार : बिल्ली बोले म्याऊँ (एकलव्य)
चित्रांकनः सुबीनीता देशप्रभु

Designed by www.stelladesignandprint.com

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

HSSPP